डॉ. टेस्सी थॉमस –मिसाइल वैज्ञानिक

केरल के अलप्पुझा नाम के एक सुंदर से शहर में एक छोटी लड़की रहती थी। उसका नाम था Tessy Thomas। टेस्सी को बचपन से ही चाँद बहुत अच्छा लगता था। स्कूल से लौटते समय वह आसमान की ओर देखती और मुस्कराकर सोचती, "आज चाँद मेरे साथ घर चल रहा है।"

स्कूल में टेस्सी को गणित और विज्ञान बहुत पसंद थे। बड़ी होकर टेस्सी ने इंजीनियर बनने का फैसला किया। पढ़ाई आसान नहीं थी। कई बार सवाल मुश्किल लगते, कई बार उत्तर देर से मिलते, लेकिन टेस्सी ने हार नहीं मानी। उसने मेहनत से पढ़ाई पूरी की और देश की रक्षा से जुड़े एक बड़े संगठन, DRDO, में काम शुरू किया।

https://bharatkibetiyokikahaniyaan.com/

https://bharatkibetiyokikahaniyaan.com/

यहाँ उसका काम और भी कठिन था। मिसाइल जैसे बड़े प्रोजेक्ट में एक छोटी सी गलती भी बहुत नुकसान कर सकती थी। कई बार महीनों की मेहनत दोबारा करनी पड़ती। लेकिन टेस्सी धैर्य से काम करती रहीं। वह मानती थीं—"धीरे चलो, पर सही चलो।"

समय के साथ टेस्सी ने बहुत कुछ सीखा। उन्होंने "अग्नि" मिसाइल परियोजना में अहम भूमिका निभाई और एक दिन वह इसकी प्रोजेक्ट डायरेक्टर बनीं। यह पूरे देश के लिए गर्व का पल था। लोग उन्हें प्यार से "मिसाइल वुमन ऑफ इंडिया" कहने लगे।

सालों की मेहनत के बाद टेस्सी DRDO में बहुत बड़ी जिम्मेदारी तक पहुँचीं। फिर भी वह सादा रहीं। बच्चों से बात करते हुए वह हमेशा कहती हैं—"सपने देखो, सवाल पूछो और मेहनत से मत डरो।"

READ MORE STORIES ON
www.bharatkibetiyokikahaniyaan.com/